यह निरीक्षण प्रतिवेदन प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर तैयार कया है। कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध करायी गयी कसी त्रुटिपूर्ण अथवा अधूरी सूचना के लए कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

कार्यालय प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) के माह 09/2014 से 05/2017 तक के लेखा अ भलेखों पर निरीक्षण प्रतिवेदन जो श्री खुशीराम, व.ले.प. श्री प्रतांशु कु. श्रीवास्तव व सुश्री रेखा सहायक लेखापरीक्षा अ धकारी द्वारा दिनांक 12.06.2017 से 15.06.2017 तक श्री पुष्कर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अ धकारी के पर्यवेक्षण में सम्पादित कया गया।

भाग-I

1. परिचयात्मकः इस इकाई की प्रथम लेखापरीक्षा है।

वर्तमान लेखापरीक्षा में माह 09/2014 से 05/2017 तक के लेखा अ भलेखों की जांच की गयी।

2 **(i)** इकाई के क्रयाकलाप एवं भौगो लक अ धकार क्षेत्रः प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) की स्थापना जिला नैनीताल के अंतर्गत सतम्बर 2014 में हुई थी। महा वद्यालय का अपना भवन न होने के कारण यह वर्तमान में राजकीय इण्टर कालेज बेतालघाट के छात्रावास में संचा लत हो रहा है। नैनीताल से इसकी दूरी 62 कमी. है तथा यह एक ओर से रामनगर से 65 कमी. तथा अल्मोड़ा हाइवे पर स्थित खैरना से 32 कमी. है। भौगो लक स्थिति वकट होने के कारण यह दुर्गम शेभान्तर्गत आता है। निकटतम रेलवे स्टेशन काठगोदाम है जो यहां से लगभग 80 कमी. है। वर्तमान में महा वद्यालय में 215 छात्र/छात्राऐं अध्ययनरत है।

महा वद्यालय के संचालन हेतु वेतनादि मदों पर आवश्यकतानुसार तथा मशीनरी व फर्नीचर जैसे मदों पर स मति रूप में शासन से अनुदान प्राप्त होता है।

(ii) (अ) वगत तीन वर्षों में बजट आबंटन एवं व्यय की स्थिति निम्नवत हैः

वर्ष	प्रारम्भिक अवशेष		स्थापना		गैर स्थापना		आ धक्य (+) `	बचत (-) `
	स्थापना `	गैर स्थापना `	आवंटन `	व्यय `	आवंटन `	व्यय `		
2014-15	-	-	1035000	1011891	128000	121251	-	29858
2015-16	-	-	2716000	2591509	467000	443816	-	147675
2016-17	-	-	2749000	2713507	1443000	1431149	-	47344

(ब) केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त नि ध एवं व्यय ववरण निम्नवत हैः

वर्ष	योजना का नाम	प्रारम्भिक अवशेष `	प्राप्त `	व्यय अ धक्य (+) `	बचत (-) `
2014-15					
2015-16	------------------NIL------------------				
2016-17					

(iii) इकाई को बजट आवंटन (स्रोत बताया जाय) द्वारा कया जाता है। गैर स्थापना व्यय को सम्मि लत न करते हुए इकाई (सी) श्रेणी वभाग का संगठनात्मक ढांचा निम्नवत हैः

उच्च शक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड ⟶ उच्च शक्षा निदेशक ⟶ प्राचार्य, राजकीय महा वद्यालय बेतालघाट, नैनीताल ⟶ प्रवक्ता संवर्ग ⟶ शक्षेणत्तर अ धकारी/कर्मचारी ⟶ कार्यालय प्रभारी ⟶ समूह ग कर्मचारी ⟶ समूह घ कर्मचारी

(iv) लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र एवं लेखापरीक्षा व धः लेखापरीक्षा में प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) को आच्छादित कया गया। समस्त स्वाधीन आहरण एवं वतरण अ धकारियों के निरीक्षण प्रतिवेदन पृथक-पृथक जारी कये जा रहे है। यह निरीक्षण प्रतिवेदन प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) की लेखापरीक्षा में पाये गये निष्कर्षों पर आधारित है। माह 03/2016 एवं 01/2017 को वस्तृत जांच हेतु चयनित कया गया। कार्यालय प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) का वस्तृत वश्लेषण कया गया। प्रतिचयन के आधार पर कया गया।

(v) लेखापरीक्षा भारत के सं वधान के अनुच्छेद 149 के अधीन बनाये गये नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्ते) अ धनियम, 1971 (डी पी सी एक्ट, 1971) की धारा 18 (i) लेखा तथा लेखापरीक्षा वनियम, 2007 तथा लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार सम्पादित की गयी।

<u>भाग-दो(ब)</u>

प्रस्तर-1- वभागीय उदासीनता के कारण शैक्ष णक उद्देश्य की पूर्ति नहीं कया जाना।

राजकीय महा वद्यालय बेतालघाट की स्थापना जिला नैनीताल के अंतर्गत सतम्बर 2014 में हुई थी। महा वद्यालय में स्नातक स्तर पर व भन्न वषयों हेतु सहायक प्रोफेसर के कुल 06 पद सृजित कया गया।

महा वद्यालय के लेखा/अ भलेखों की नमूना जाँच के दौरान ज्ञात हुआ क सहायक प्रोफेसर के सृजित 06 पदों के सापेक्ष 05 पदों पर गैस्ट फैकल्टी प्राध्यापक कार्यरत है। संस्कृत वषय में निय मत अथवा गैस्ट फैकल्टी के रूप में कोई भी प्राध्यापक नहीं है जब क वषय में छात्रों को प्रवेश दिया गया।

संस्कृत वषय को चयन करने वधा र्थयों की कुल संस्था का वर्षवार ववरण निम्नवत था-

वषय	शै क्षक सत्रवार वधा र्थयों की संख्या		
संस्कृत	2014-15	2015-16	2016-17
	22	38	69

संस्कृत प्रवक्ता के पद का रिक्त रहना शक्षा के प्रति वभाग की उदासीनता को दर्शाता है। रिक्त पद पर शासन/वभाग द्वारा नियुक्ति अथवा वैकल्पिक व्यवस्था न कये जाने के कारण उक्त वषय के कुल 129 वधा र्थयों को संस्कृत वषय की वषयगत जानकारी उपलब्ध नहीं करायी जा सकती।

लेखापरीक्षा द्वारा इं गत कये जाने पर महा वद्यालय द्वारा अवगत कराया गया क पदों के भरने हेतु निदेशालय से तत्का लक व्यवस्था कए जाने का अनुरोध कया गया है। निदेशालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार इस वषय में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की जायेगी।

उत्तर लेखापरीक्षा को मान्य नहीं था क्यों क वधा र्थयों को वषय की वषयगत जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्थायी अथवा वैकल्पिक व्यवस्था करना अनिवार्य है।

अतः प्रकरण प्रकाश में लाया जाता है।

<u>भाग-III</u>

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों का ववरण

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	भाग-II 'अ' प्रस्तर संख्या	भाग-II 'ब' प्रस्तर संख्या
--------------प्रथम लेखापरीक्षा-----------------		

वगत निरीक्षण प्रतिवेदनों के अनिस्तारित प्रस्तरों की अनुपालन आख्याः

निरीक्षण प्रतिवेदन संख्या	प्रस्तर संख्या लेखापरीक्षा प्रेक्षण	अनुपालन आख्या	लेखापरीक्षा दल की टिप्पणी	अभ्युक्ति
------------------प्रथम लेखापरीक्षा--------------				

भाग-IV

इकाई के सर्वोत्तम कार्य

............शून्य............

भाग-V

आभार

1. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) उत्तराखण्ड, देहरादून लेखापरीक्षा अव ध में अवस्थापना संबंधी सहयोग सहित मांगे गये अ भलेख एवं सूचनांए उपलब्ध कराने हेतु प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) तथा उनके अ धकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करता है। तथा प लेखापरीक्षा में निम्न ल खत अ भलेख प्रस्तुत नहीं कये गयेः

   (i)

   (ii) शून्य

   (iii)

2. सतत् अनिय मतताएः

   (i)

   (ii) शून्य

3. लेखापरीक्षा अव ध में निम्न ल खत अ धकारियों द्वारा कार्यालयध्यक्ष का कार्यभार वहन कया गया

क्र.सं.	नाम	पदनाम	अव ध
1.	डॉ. पी.के. पाठक	प्राचार्य	13.09.2014 से 18.05.2016
2.	डॉ. कमल जोशी	प्राचार्य	19.05.2016 से अद्यतन

लघु एवं प्र क्रयात्मक अनिय मतताएं जिनका समाधान लेखापरीक्षा स्थल पर नहीं हो सका उन्हें नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में सम्मि लत कर एक प्रति प्राचार्य राजकीय महा वद्यालय, बेतालघाट (नैनीताल) को इस आशय से प्रे षत कर दी जायेगी क अनुपालन आख्या पत्र प्राप्ति के एक माह के अन्दर सीधे वरिष्ठ उप महालेखाकार/उप महालेखाकार (सामाजिक क्षेत्र) को प्रे षत कर दी जांय।

लेखापरीक्षा अ धकारी
(सामाजिक क्षेत्र)